A–0666

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

CPS-14

Bachelor of Education (B.Ed.-17)

संस्कृत का शिक्षणशास्त्र (भाग–2)

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 35

नोट :– यह प्रश्न-पत्र पैंतीस (35) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×9½=19)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ (9½) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पाणिनी एवं भर्तृहरि द्वारा प्रतिपादित भाषा शिक्षण के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। न्याय शास्त्र में वर्णित भाषा शिक्षण सम्बन्धी विचारों से उनकी तुलना कीजिए।

2. उच्चस्तरीय भाषायी कौशल से क्या आशय है ? संस्कृत भाषा का एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों में किस प्रकार इन कौशलों का विकास कर सकता है ?

3. पाठ्यक्रम को परिभाषित कीजिए तथा उसके निर्माण के विभिन्न सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

4. मूल्यांकन को परिभाषित कीजिए। संस्कृत भाषा शिक्षण में मूल्यांकन की क्यों आवश्यकता है ? मूल्यांकन की नवीन अवधारणाओं का वर्णन कीजिए। क्या ये नवीन अवधारणाएँ संस्कृत भाषा शिक्षण हेतु उपयोगी हैं ? इस संदर्भ में अपने विचार तर्क के साथ प्रस्तुत कीजिए।

5. संस्कृत भाषा पर आधारित क्रियात्मक अनुसंधान की एक योजना का निर्माण कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×4=16)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्याँ पियाजे द्वारा प्रतिपादित भाषा शिक्षण के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

2. अधिगम योजना से आप क्या समझते हैं ? वर्तमान परिदृश्य में यह क्यों आवश्यक है ?

3. श्रवण कौशल पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

4. संस्कृत भाषा शिक्षक की योग्यताओं का वर्णन कीजिए।

5. संस्कृत भाषा के विशेष संदर्भ में पाठ्यपुस्तक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

6. मानकीकृत परीक्षण की क्या विशेषताएँ हैं ?

7. संस्कृत भाषा शिक्षण में मूल्यांकन की वर्तमान समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

8. वर्तमान परिदृश्य में क्रियात्मक अनुसंधान क्यों आवश्यक है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

****